19 सितंबर, 2009 को आयोजित चालीसवीं वार्षिक महासभा के अवसर पर अध्यक्ष के भाषण से उद्धरण

पी.उमा शंकर

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

देवियो और सज्जनो

कंपनी की चालीसवीं वार्षिक महासभा के अवसर पर मैं आप सभी का हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

आर्थिक पर्यावरण

बड़े अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों में बढ़ती मुश्किलों के उपरांत सितंबर-2008 के मध्य में विश्व परिवेश एक संकट कालीन अवस्था में प्रवेश कर चुका था। अभूतपूर्व विश्वव्यापी घटनाओं का प्रभाव भारतीय आर्थिक निष्पादन पर भी दिखाई दिया। इसके कारण अर्थव्यवस्था के कई चालक मंद पड़े और प्रगति की रफ्तार कुछ धीमी हुई। तथापि, सरकार के अन्य प्रतिबद्ध खर्चों और राजकोषीय प्रोत्साहक उपायों के कारण विकास दर में कमी कुछ दूर हुई। विभिन्न चुनौतियों, विशेषकर विश्व अर्थव्यवस्था वाली चुनौतियों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत सुनम्य रही और इसके वित्तीय संस्थान तथा निजी कारपोरेट क्षेत्र मजबूत और सक्षम बने रहे। साथ ही, आर्थिक समष्टिभाव प्रबंधन ने, विभिन्न उन्नत तथा उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत के वित्तीय तथा रियल क्षेत्र, दोनों में, ज्यादा उथल पुथल रोकने में सहायता की।

विद्युत क्षेत्र

अर्थव्यवस्था के समग्र विकास के लिए विद्युत क्षेत्र अति महत्वपूर्ण अपेक्षित घटकों में एक है। विश्वव्यापी आर्थिक संकट के कारण, 2008-09 में भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर में कुछ गिरावट आई, लेकिन अर्थव्यवस्था के अन्य खंडों की तुलना में विद्युत क्षेत्र कम प्रभावित हुआ तथा नयी और चल रही परियोजनाओं हेतु पूंजी तथा ऋण जुटाने में कर्ज़दारों का सामर्थ्य यथावत बना रहा।

ग्यारहवीं योजना के अंत तक विद्युत पर कार्य समूह द्वारा अनुमानित कुल विद्युत मांग 1038 बिलियन यूनिट है और व्यस्ततम अवधि में मांग का अनुमान 151000 मेगावाट है। अनुमानित विद्युत मांग की जरूरत पूरी करने के लिए ग्यारहवीं योजना के दौरान क्षमता संवर्धन हेतु 78577 मेगावाट का लक्ष्य रखा गया है। बारहवीं योजना के दौरान क्षमता संवर्धन इससे भी ज्यादा होगा। ग्यारहवी योजना के लिए अपेक्षित लक्ष्यों को

पूरा करने हेतु विद्युत क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा अनुमानित रपए 10316 बिलियन के निवेश की संभावना, जिसमें बिजली उत्पादन के लिए क्षमता वृद्धि, विद्यमान बिजलीघरों के नवीकरण एवं आधुनिकीकरण, पारेषण तथा मूल सुविधाओं के विस्तार एवं अद्यतन बनाने, विकेंद्रीकृत वितरित उत्पादन इत्यादि के लिए निधियां शामिल हैं।

विद्युत क्षेत्र को आगे बढ़ाने वाले तीन मुख्य घटक हैं- विद्युत उत्पादन, पारेषण और वितरण। ग्यारहवीं योजना अवधि के दौरान बिजली उत्पादन परियोजनाओं हेतु निधियों की कुल आवश्यकता रुपए 4,108,960 मिलियन होने का अनुमान है, जिसमें केंद्रीय क्षेत्र के लिए रपए 2,020,670 मिलियन, राज्य क्षेत्र के लिए रपए 1,237,920 मिलियन और निजी क्षेत्र के लिए रपए 850,370 मिलियन शामिल है। ग्यारहवीं योजना अवधि के दौरान पारेषण तंत्र के विकास और संबंधित योजनाओं के लिए अनुमानित निवेश रपए 1,400,000 मिलियन होगा, जिसमें केंद्रीय क्षेत्र के लिए रपए 750,000 मिलियन तथा राज्य क्षेत्र के लिए रपए 650,000 मिलियन शामिल है। ग्यारहवीं योजना अवधि के दौरान शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए उप-पारेषण तथा वितरण तंत्र के विकास हेतु 2,870,000 करोड़ रुपए की निधियों की जरूरत होने का अनुमान है। इसमें एपीडीआरपी तथा आरजीजीवीवाई योजनाएं भी शामिल है।

इस प्रकार आगामी वर्षों में विद्युत अवसंरचना परियोजनाओं के वित्तपोषण के बहुत ज्यादा अवसर हैं। आपकी कंपनी का इन विद्युत परियोजनाओं के वित्तपोषण में एक बड़ा हिस्सा रहेगा। इसके अलावा, आरजीजीवीवाई कार्यक्रम के तहत निधियों को आगे पहुंचाने और इनके इस्तेमाल पर नजर रखने वाली नोडल एजेंसी के रूप में आपकी कंपनी गांवों के विद्युतीकरण की सामाजिक-आर्थिक जिम्मेदारी लेना जारी रखेगी तथा '2012 तक सबके लिए बिजली' के मिशन में योगदान देगी।

कार्यनिष्पादन की मुख्य बातें

समीक्षाधीन वर्ष 2008-09 के दौरान आपकी कंपनी ने ऋणों के संवितरण, वसूलियों, प्रचालन आय तथा लाभों के मुख्य क्षेत्रों में, कार्यनिष्पादन में लगातार रिकार्ड कायम किया तथा उच्च वृद्धि दर्ज की। 2008-09 के दौरान संवितरित कुल राशि 37औ बढ़कर रपए 22277.86 करोड़ थी। इससे पहले वाले वर्ष यह रपए 16304 करोड़ थी, जिसमें आरजीजीवीवाई के तहत सब्सिडी शामिल है। इससे पहले वाले वर्ष के रपए 9042 करोड़ की तुलना में वर्ष के दौरान रपए 9796.97 करोड़ राशि की वसूलियां की गयी। प्रचालन आय पिछले वर्ष रपए 3378.21 करोड़ की तुलना में 41औ बढ़कर रपए 4757.17 करोड़ हो गई। पिछले वर्ष

रुपए 1312.42 करोड़ की तुलना में कर-पूर्व लाभ 46औ बढ़कर रुपए 1920.11 करोड़ हो गया। कर उपरांत लाभ पिछले वर्ष रुपए 860.15 करोड़ की तुलना में 48औ बढ़कर रुपए 1272.08 करोड़ हो गया।

आपके निदेशकों ने मार्च 2009 में प्रदत्त रुपए 2/- प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश के अलावा, वर्ष 2008-09 के लिए रुपए 2.50 प्रति शेयर के अंतिम लाभांश के भुगतान की सिफारिश की है। इस प्रकार वर्ष 2008-09 के लिए कुल लाभांश रुपए 4.50 प्रति शेयर है, जो पिछले वर्ष दिए गए रुपए 3/- प्रति शेयर की तुलना में 50औ अधिक है।

संसाधन संग्रहण

वर्ष 2008-09 के दौरान आपकी कंपनी ने बाजार से रुपए 14,895 करोड़ जुटाए। कंपनी के घरेलू ऋण लिखतों को श्रेणी निर्धारक एजेंसियों क्रिसिल, केयर, फिच तथा आईसीआरए से 'एएए' श्रेणी-उच्चतम क्रेडिट रेटिंग मिलनी जारी रही। आपकी कंपनी को मूडी तथा फिच, जैसी अंतर्राष्ट्रीय क्रेडिट श्रेणी निर्धारण एजेंसियों से भारत के सावरेन रेटिंग के समतुल्य अंतर्राष्ट्रीय क्रेडिट श्रेणी निर्धारण भी प्राप्त है, जो क्रमश: 'बीएए3' तथा 'बीबीबी' है।

ग्यारहवीं योजना अवधि में विद्युत परियोजनाओं के वित्तपोषण की बढ़ती माँग पूरी करने के लिए, कंपनी ने अपने उधारी कार्यक्रम को स्वदेशी तथा अंतर्राष्ट्रीय ऋणदाता एजेंसियों के अनुरूप तैयार किया है।

आपकी कंपनी नई अवसंरचना का सृजन करने में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रही है तथा देश में पारेषण एवं वितरण नेटवर्क के अंतर्गत विद्यमान तंत्र को सुधार और नए का सृजन कर रही है। वर्ष 2012 तक सभी को विद्युत उपलब्ध कराने तथा एटी एवं सी क्षतियों को कम करने के राष्ट्रीय उद्देश्य के अनुरूप, आपकी कंपनी पारेषण नेटवर्क का विस्तार करने और उसे सुदृढ़ बनाने तथा विशेषकर वितरण प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए योजनाओं को वित्तपोषित करने का काम करती है। वर्ष 2008-09 के दौरान, कंपनी ने पारेषण तथा वितरण परियोजनाओं के लिए रुपए 16037.24 करोड़ की राशि मंजूर की तथा रुपए 6687.33 करोड़ की कुल राशि संवितरित की।

आरजीजीवीवाई

अप्रैल 2005 में भारत सरकार द्वारा शुरू की गई राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना (आरजीजीवीवाई) के अंतर्गत, पांच वर्षों में सभी आवासों में बिजली की पहुंच उपलब्ध कराने के राष्ट्रीय साझा न्यूनतम कार्यक्रम

लक्ष्य के लिए, आपकी कंपनी को इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का निरीक्षण करने वाली केंद्रीय एजेंसी नियुक्त किया गया। आरजीजीवीवाई कार्यक्रम के तहत, 31.03.2009 तक संचयी रूप से 1,37,488 गांवों (59882 अविद्युतीकृत तथा 77606 विद्युतीकृत गांव) में कार्य पूर्ण हो चुका है तथा 53.78 लाख बीपीएल आवासों को कनेक्शन दिए जा चुके हैं। वर्ष 2008-09 के दौरान, कंपनी ने रपए 5120.52 करोड़ की सरकारी सब्सिडी तथा रपए 579.45 करोड़ के ऋण घटक सहित रपए 5699.97 करोड़ की कुल राशि का संवितरण किया।

निगमित सुशासन

आपकी कंपनी सूचीकरण करार में अनुबंधित की गई निगमित सुशासन की सभी अपेक्षाओं के साथ-साथ सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारत सरकार द्वारा इस संबंध में अधिसूचित उपबंधों का भी अनुपालन करती है।

विद्युत मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन

विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के मापदंडों के आधार पर कंपनी के कार्यनिष्पादन को वित्तीय वर्ष 2007-08 के लिए लगातार 15वें वर्ष हेतु 'उत्कृष्ट' दर्जा दिया गया है। वर्ष 2008-09 के लिए भी कंपनी ने समझौता ज्ञापन के सभी लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है तथा यह निष्पादन के लिए 'उत्कृष्ट' का दर्जा फिर पाने की स्थिति में है।

ईआरपी

आपकी कंपनी एक एकीकृत ऑरैकल आधारित ईआरपी प्रणाली लागू कर रही है, जिसमें सभी मुख्य व्यवसाय प्रकार्य शामिल हैं। इसे मैनेजमेंट डेवलॅपमेंट इंस्टीटयूट (एमडीआई),गुड़गांव के परामर्श से मैसर्स टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) द्वारा लागू किया जा रहा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली आईटी अवसंरचना के लिए तकनीकी परामर्शदाता के रूप में काम कर रहे है। डेटा स्थानांतरण (माइग्रेशन) पूर्ण हो गया है तथा अधिकांश प्रकार्यात्मक मॉडयूल्स के लिए गो-लाइव प्राप्त किया जा चुका है। ईआरपी ऑपरेशन के लिए आईटी अवसंरचना के कार्यान्वयन के अंश के रूप में, आरईसी के सभी कार्यालयों में इंटरकनेक्टिंग हेतु, ईआरपी डेटा सेंटर तथा एमपीएलएस-वीपीएन आधारित व्यापक क्षेत्र नेटवर्क (डब्ल्यूएएन) पूर्ण किया जा चुका है।

मानव संसाधन विकास

वर्ष के दौरान प्रशिक्षण तथा मानव संसाधन विकास को प्रमुख प्राथमिकता जारी रही तथा आपकी कंपनी, प्रशिक्षण में निवेश करने के द्वारा कर्मचारियों के विकास तथा युवा कार्यपालकों की प्रारंभिक स्तर पर भर्ती करने के लिए, प्रतिबद्ध रही है। अंतर्राष्ट्रीय अनुभव अर्जित करने हेतु विभ्ंिन्न प्रशिक्षण तथा विकास कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए विभिन्न अधिकारियों को विदेश भेजा गया।

सेंट्रल इंस्टीटयूट फॉर रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन (सीआईआरई)

विद्युत एवं ऊर्जा क्षेत्र तथा विद्युत एवं ऊर्जा से संबंधित अन्य संगठनों के इंजीनियरों तथा प्रबंधकों के प्रशिक्षण तथा विकास जरूरतों की व्यवस्था करने के लिए 30 वर्ष पूर्व कंपनी ने हैदराबाद में सीआईआरई की स्थापना की थी। सीआईआरई विद्युत क्षेत्र के पारेषण तथा वितरण के विभिन्न पहलुओं पर नियमित रूप से कार्यक्रमों का आयोजन करता है। वर्ष 2008-09 के दौरान, सीआईआरई ने विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 6 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों सहित कुल 98 कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें 2767 भागीदारों को प्रशिक्षित किया गया। संस्थापन वर्ष 1979 से अब तक, यह सीआईआरई की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है।

भावी लक्ष्य

विद्युत क्षेत्र, भारत की अवसंरचना के विकास में भाग लेने के लिए एक बड़े क्षेत्र के रूप में निरंतर अवसर प्रदान करता रहेगा। विद्युत तथा संबद्ध पारेषण और वितरण तंत्रों की मांग की संभावना, दर्शाए गए अधिकांश वर्तमान अनुमानों से अपेक्षाकृत कहीं अधिक है। आपकी कंपनी, विद्युत क्षेत्र में नई तेजी से पूरा फायदा उठाने तथा संवृद्धि दर बनाए रखने के लिए सभी प्रयास कर रही है। साथ ही, देश में विद्युत अवसंरचना के विकास के प्रति नियमित रूप से महत्वपूर्ण अंशदान के लिए प्रतिबद्ध है।

आभार

मैं कंपनी के सभी अन्य हितधारकों को उनके बहुमूल्य समर्थन एवं सहयोग तथा कंपनी के कार्य निष्पादन में निरंतर विश्वास बनाए रखने के लिए विशेष धन्यवाद देता हूं।

नई दिल्ली (पी.उमा शंकर)

19 सितंबर, 2009 अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(यह वार्षिक महासभा की कार्यवाही के रिकार्ड किए जाने के अभिप्राय: से नहीं है।)